Baba’s Praise

09/7/2015

- मीठे-मीठे रूहानी बच्चों ने यह गीत की लाइन सुनी। यह कौन समझाते हैं? रूहानी बाप। वह शमा भी है। नाम ढेर के ढेर रखे हैं। बाप की स्तुति भी बहुत करते हैं। यह भी परमपिता परमात्मा की स्तुति है ना।
- अब तुम बच्चे जानते हो हमारा बाबा है सुप्रीम रूह। उनको हुसैन भी कहा जाता है, बहुत खूबसूरत है क्योंकि वह एवर प्योर है।
- वही हसीन परमपिता परमात्मा, जिसको भक्तिमार्ग में बुलाते रहते हैं-हे शिवबाबा, वह निराकार परमपिता परमात्मा आया हुआ है। आत्माओं को इमप्योर से प्योर हसीन बनाने।

- जो बाप ज्ञान का सागर, पवित्रता का सागर है, खुद कहते है मैं पुनर्जन्म नहीं लेता हूँ।
- बाप कहते हैं मैंने साधारण तन में हूबहू कल्प पहले मुआफिक प्रवेश किया है फिर से तुम बच्चों को राजयोग सिखाने।
- मनुष्य आत्मा ही जज बनती है, अभी हम विश्व का मालिक देवता बन रहे हैं, पढ़ाने वाला है शिवबाबा, परम आत्मा। वही ज्ञान का सागर, शान्ति, सम्पत्ति का सागर है।
- बाप समझाते हैं यह हैं अविनाशी ज्ञान रत्न। इन ज्ञान रत्नों से तुम बहुत साहूकार बनते हो और फिर हीरे जवाहर भी तुमको बहुत मिलते हैं। यह एक-एक रत्न लाखों रूपये का है जो तुमको इतना साहूकार बनाते हैं।

- वापिस ले जाने वाला तुमको सतगुरू बाप मिला है। बुलाते भी हैं हमको सद्गति में ले जाओ।
- परन्तु वह गुरू तो शरीर से छुड़ाकर साथ में ले नहीं जा सकते। पतित पावन है ही एक बाप।
- बाप को ही कहा जाता है कालों का काल, महाकाल। सभी को शरीर से छुड़ाकर साथ ले जाते हैं।
- यह है सुप्रीम गाइड। सभी आत्माओं को वापिस ले जाते हैं। यह छी-छी शरीर है, इनके बंधन से छूटना चाहते हैं।
- बाबा आते ही हैं श्याम से सुन्दर बनाने।

- बाप कहते हैं मैं तुम्हारा ओबीडियन्ट सच्चा फादर भी हूँ। फादर हमेशा ओबीडियन्ट होता है।
- बाप भी कहते हैं मैं तुमको डबल मालिक बनाता हूँ। तुम विश्व का भी मालिक हो तो ब्रह्माण्ड का भी मालिक बनते हो।